दिल्ली जागरण
नई दिल्ली, 12 नवंबर 2011

मास्टर प्लान : पांच साल में कोई काम नहीं

मास्टर प्लान लागू होने के पांच साल बाद भी यमुना की बदहाली कम नहीं हुई।

- कागजों में ही चल रहा है मास्टर प्लान-2021 की समीक्षा का काम

वी.के.शुक्ला, नई दिल्ली

सात साल की देरी से वर्ष 2007 में लागू किए गए दिल्ली का मास्टर प्लान-2021 को करीब पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी इसकी किसी योजना पर काम शुरू नहीं हुआ है। अब पांच वर्ष के काम की समीक्षा (पांच साल बाद समीक्षा का प्रावधान है) की बात की जा रही है। लेकिन, हैरानी तो इस बात की है कि समीक्षा में जिस जनता की भागीदारी होनी चाहिए उसे जानकारी देने के लिए कोई उपाय नहीं किया गया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि समीक्षा में जनता की भागीदारी इसलिए सुनिश्चित की है ताकि जनता अपनी कॉलोनियों व समस्याओं के बारे में बताए। समीक्षा किए जाने की अंतिम तारीख 17 नवंबर तक है।

मास्टर प्लान-2021 को बेहतर तरीके से क्रियान्वित किए जाने के उद्देश्य से हर पांच साल में इसकी समीक्षा करने का प्रावधान रखा गया है। 2012 में पांच साल पूरे होने पर इसकी समीक्षा की जानी है। इसके चलते तीन माह पहले मास्टर प्लान की समीक्षा करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

मगर लोगों को जागरूक न कर डीडीए द्वारा इस संबंध में 39 दिन पहले अखबारों में मात्र एक दिन के लिए विज्ञापन देकर इतिश्री कर ली गई। बहुत से लोगों को इस बारे में जानकारी ही नहीं है कि मास्टर प्लान की समीक्षा भी हो रही है। जिससे लोग अपने सुझाव भेज सकें। यहां आपको बता दें कि मास्टर प्लान में जनता की राय शामिल किया जाना इसलिए भी जरूरी है कि मास्टर प्लान का कहीं न कहीं असर जनता पर ही पड़ने वाला है।

सबसे हैरानी की बात तो यह है कि मास्टर प्लान लागू हुए भी फरवरी में पांच साल होने जा रहे हैं। मगर अभी तक इसके तहत एक भी योजना पर काम नहीं हो सका है। सब काम कागजों में ही है।

पहले 5 साल में क्या क्या होने थे कार्य

- यमुना की सफाई
- दिल्ली में सात लाख मकान बनाने का शुरू होना था काम
- दिल्ली की 350 किलोमीटर ड्रेन को किया जाना था व्यवस्थित
- अतिरिक्त 350 एमजीडी पानी की होने थी व्यवस्था
- एमसीडी के अलग अलग वार्ड के हिसाब से बनाया जाना था लोकल एरिया प्लान

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

कोई भी मास्टर प्लान पूर्ण नहीं होता, उसमें कुछ न कुछ कमी रह जाती है। मगर रिव्यू कर उसे दूर किया जा सकता है। डीडीए ने मास्टर प्लान का रिव्यू तो शुरू किया है, मगर लोगों को इस बारे में जागरूक नहीं किया गया है ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग ले सकते।

आरजी गुप्ता, दिल्ली के पूर्व टाउन प्लानर

मास्टर प्लान में बहुत सी बातों की विस्तार से जानकारी नहीं है। इसके लिए इस पर काम नहीं हो पा रहा है। अलग अलग एजेंसियां एक ही बात का अलग-अलग अर्थ निकालती हैं। जिससे इसके क्रियान्वयन में परेशानी आती है।

एके जैन, डीडीए के पूर्व योजना आयुक्त

मास्टर प्लान की पूरी सफलता उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। जब उसे दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लागू नहीं किया जाएगा तो बात कैसे बनेगी। मास्टर प्लान के रिव्यू को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

केटी रविंद्रन, दिल्ली अर्बन आर्ट कमीशन के पूर्व चेयरमैन

इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि डीडीए मास्टर प्लान का रिव्यू कर रहा है। इस बारे में पता नहीं चला है कि डीडीए ने कब इस बारे में विज्ञापन निकाला था। डीडीए को इसके बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए तथा तारीख बढ़ानी चाहिए।

अनिल बाजपेयी, पूर्वी दिल्ली रेजीडेंट फेडरेशन के अध्यक्ष